



BIO ENERGY CARD

Transmission Towers like, Mobile Phone Towers, Broadcasting Towers, Overhead power Lines and Radars constantly emit hazardous Electro-magnetic Radiations(EMR). This Radiation penetrates your head and level of penetration depends on how close is your head to the source of the EMR emitted from Mobile phone. The studies suggest that the EMR can destructively affect tissues and delicate organs in the ear, eye, brain etc. In the ear, a tumor may develop on the auditory nerve, especially, on the side where Mobile is mostly kept while talking . In the eye, delicate parts such as lens & cornea can be affected. Brains can be affected, which could result in headache, sleep disturbance, lack of concentration, loss of memory and irritations. Physical disorders such as Brain-tumor, Alzheimer's, Parkinson Disease etc .

Radiation Safe Chip protects sensitive ear tissues from hazardous radiation and protect penetration of unwanted radiations into brain. The persistent use of mobile phones have given rise to common complaints of memory loss, headache, dizziness, nausea and impaired vision in our society. Recent research has demonstrated that prolonged exposure to radiation can cause brain tumor and cancer. Now one need not worry because there's a solution in hand. By putting Radiation Safe Mobile Chip on the voice receiving area of mobile phone. It acts as a barrier to protect brain and ear tissues from harmful Radiation.

ଡ୍ରାଫ୍ଟିଂସ୍ ଟାଓାର୍, ମୋବାଇଲ୍ ଫୋନ୍ ଟାଓାର୍, ବ୍ରୋଡକାଷ୍ଟିଂ ଟାଓାର୍, ଓଭରହେଡ୍ ପାଓାର୍ ଲାଇନ୍ ଏବଂ ରାଡାର କ୍ରମାଗତ ଭାବରେ ବିପଜ୍ଜନକ ଲଲେକ୍ସୋ-ମ୍ୟାଗ୍ନେଟିକ୍ ରେଡିଏସନ୍ (EMR) ନିର୍ଗତ କରେ | ଏହି ବିକିରଣ ଆପଣଙ୍କ ମୁଣ୍ଡରେ ପ୍ରବେଶ କରେ ଏବଂ ମୋବାଇଲ୍ ଫୋନ୍ରୁ ନିର୍ଗତ EMR ଉତ୍ସ ସହିତ ଆପଣଙ୍କ ମୁଣ୍ଡ କେତେ ନିକଟତର ତାହା ଉପରେ ନିର୍ଭର କରେ | ଅଧ୍ୟୟନରୁ ଜଣାପଡିଛି ଯେ EMR କାନ, ଆଂଖ, ମସ୍ତିଷ୍କ ଇତ୍ୟାଦିରେ ଥିବା ଚିପ୍ ଏବଂ ସୁକ୍ଷ୍ମ ଅଙ୍ଗକୁ ବିନାଶକାରୀ ଭାବରେ ପ୍ରଭାବିତ କରିପାରେ। ଆଂଖ, ସୁକ୍ଷ୍ମ ଅଂଶ ଯେପରିକି ଲେନ୍ସ ଏବଂ କର୍ଣ୍ଣଆ ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ | ମସ୍ତିଷ୍କ ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ, ଯାହାଦ୍ୱାରା ମୁଣ୍ଡବିନ୍ଧା, ନିଦ ବ୍ୟାଧାତ, ଏକାଗ୍ରତା ଅଭାବ, ସ୍ମୃତି ଶକ୍ତି ହ୍ରାସ ଏବଂ ଉତ୍ତେଜନା ଦେଖାଦେଇପାରେ | ଶାରୀରିକ ଅସୁବିଧା ଯେପରିକି ମସ୍ତିଷ୍କ-ଟ୍ୟୁମର, ଆଲଜାଇମର, ପାର୍କିନ୍ସନ୍ ରୋଗ ଇତ୍ୟାଦି |

ବିକିରଣ ସୁରକ୍ଷିତ ଚିପ୍ ସମ୍ବେଦନଶୀଳ କାନ ଚିପ୍କୁ ବିପଜ୍ଜନକ ବିକିରଣରୁ ରକ୍ଷା କରିଥାଏ ଏବଂ ମସ୍ତିଷ୍କରେ ଅବାଞ୍ଚିତ ବିକିରଣର ଅନୁପ୍ରବେଶକୁ ରକ୍ଷା କରିଥାଏ | ମୋବାଇଲ୍ ଫୋନ୍ରୁ କ୍ରମାଗତ ବ୍ୟବହାର ଆମ ସମାଜରେ ସ୍ମୃତି ଶକ୍ତି ହ୍ରାସ, ମୁଣ୍ଡବିନ୍ଧା, ମୁଣ୍ଡ ବୁଲାଇବା, ବାନ୍ତି ଏବଂ ଦୃଷ୍ଟି ଶକ୍ତି ଦୁର୍ବଳ ହେବାର ସାଧାରଣ ଅଭିଯୋଗ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି | ସାମ୍ପ୍ରତିକ ଅନୁସନ୍ଧାନରୁ ଜଣାପଡିଛି ଯେ ଦୀର୍ଘ ଦିନ ଧରି ବିକିରଣର ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ଆସିବା ଦ୍ୱାରା ମସ୍ତିଷ୍କ ଟ୍ୟୁମର ଏବଂ କର୍କଟ ହୋଇପାରେ। ବର୍ତ୍ତମାନ ଜଣେ ଚିକିତ୍ସା କରିବାର ଆବଶ୍ୟକତା ନାହିଁ କାରଣ ହାତରେ ଏକ ସମାଧାନ ଅଛି | ମୋବାଇଲ୍ ଫୋନ୍ରୁ ଉତ୍ସ ରିସିଭ୍ କରିଥାରେ ରେଡିଏସନ୍ ସେପ୍ ମୋବାଇଲ୍ ଚିପ୍ ଲଗାଇ | ଏହା ମସ୍ତିଷ୍କ ଏବଂ କାନ ଚିପ୍କୁ କ୍ଷତିକାରକ ବିକିରଣରୁ ରକ୍ଷା କରିବା ପାଇଁ ଏକ ପ୍ରତିବନ୍ଧକ ଭାବରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରିଥାଏ |

ट्रांसमिशन टावर्स जैसे, मोबाइल फोन टावर्स, ब्रॉडकास्टिंग टावर्स, ओवरहेड पावर लाइन्स और रडार लगातार खतरनाक इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक रेडिएशन (ईएमआर) उत्सर्जित करते हैं। यह विकिरण आपके सिर में प्रवेश करता है और प्रवेश का स्तर इस बात पर निर्भर करता है कि आपका सिर मोबाइल फोन से उत्सर्जित ईएमआर के स्रोत के कितना करीब है। अध्ययनों से पता चलता है कि ईएमआर कान, आंख, मस्तिष्क आदि में ऊतकों और नाजुक अंगों को विनाशकारी रूप से प्रभावित कर सकता है। कान में, श्रवण तंत्रिका पर एक ट्यूमर विकसित हो सकता है, खासकर उस तरफ, जहां बात करते समय ज्यादातर मोबाइल रखा जाता है। आंख, लेंस और कॉर्निया जैसे नाजुक हिस्से प्रभावित हो सकते हैं। मस्तिष्क प्रभावित हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप सिरदर्द, नींद में खलल, एकाग्रता की कमी, याददाश्त में कमी और चिड़चिड़ापन हो सकता है। शारीरिक विकार जैसे ब्रेन-ट्यूमर, अल्जाइमर, पार्किंसंस रोग आदि।

रेडिएशन सेफ चिप संवेदनशील कान के ऊतकों को खतरनाक विकिरण से बचाता है और अवांछित विकिरणों को मस्तिष्क में प्रवेश करने से बचाता है। मोबाइल फोन के लगातार उपयोग ने हमारे समाज में स्मृति हानि, सिरदर्द, चक्कर आना, मतली और कमजोर दृष्टि की आम शिकायतों को जन्म दिया है। हाल के शोध से पता चला है कि लंबे समय तक विकिरण के संपर्क में रहने से ब्रेन ट्यूमर और कैंसर हो सकता है। अब किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि इसका समाधान हाथ में है। मोबाइल फोन के आवाज प्राप्त करने वाले क्षेत्र पर रेडिएशन सेफ मोबाइल चिप लगाकर। यह मस्तिष्क और कान के ऊतकों को हानिकारक विकिरण से बचाने के लिए एक बाधा के रूप में कार्य करता है।